

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अपर निदेशक,  
पशुपालन विभाग,  
उत्तराखण्ड, गोपेश्वर, चमोली।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 30 दिसम्बर, 2008

विषय — राज्य पशुचिकित्सा परिषद (50 प्रतिशत केन्द्र पोषित) योजनान्तर्गत बजट अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1924/नि0/वैट0काउ0/बजट/2008-09 दिनांक 29 सितम्बर, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उक्त योजनान्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में राज्यांश के रूप में प्राविधानित धनराशि रुपये 1.69 लाख केन्द्रांश (50 प्रतिशत) एवं रुपये 1.69 लाख राज्यांश कुल रुपये 3.38 लाख (रुपया तीन लाख अड़तीस हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन पर निम्न विवरणानुसार प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र० सं०	मद का नाम	जारी स्वीकृति
1.	01-वेतन	334
2.	03-महंगाई भत्ता	00
3.	04-यात्रा भत्ता	00
4.	05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	00
5.	06-अन्य भत्ता	04
6.	08-कार्यालय व्यय	00
7.	09-विद्युत देयक	00
8.	10-जलकर	00
9.	11-लेखन सामग्री	00
10.	13-टेलीफोन व्यय	00
11.	15-मोटर गाड़ी अनुक्षण	00
12.	27-चिकित्सा व्यय पूर्तिपूर्ति	00
13.	42-अन्य व्यय	00
14.	46-कम्प्यूटर क्रय	00
15.	47-कम्प्यूटर स्टेशनरी	00
16.	48-महंगाई वेतन	00
योग		338

(रुपया तीन लाख अड़तीस हजार मात्र)

1. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
2. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
3. अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय तथा धनराशि व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों व प्रचलित शासनादेशों को ध्यान में रखा जाय।
4. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत-00-101-पशुचिकित्सा सम्बन्धी सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0101-राज्य पशुचिकित्सा परिषद का गठन (50 प्रतिशत केन्द्र पोषित) नामक योजनानर्तगत सुसंगत मानक मदों से वहन किया जायेगा।
5. यह आदेश वित्त विभाग के अशा0पत्र संख्या-206(P)/XXVII-4/2008 दिनांक 17 दिसम्बर, 2008 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

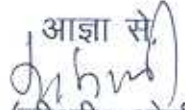
भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)  
सचिव।

संख्या-103/(1)/XV-1/2005-तददिनांक

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव को अपर मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाँयू मण्डल, नैनीताल, उत्तराखण्ड।
5. रजिस्ट्रार, वैटनरी काउन्सिल, देहरादून।
6. जिलाधिकारी, देहरादून।
7. कोषाधिकारी, देहरादून।
8. मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, देहरादून।
9. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4।
- ✓ 10. निदेशक, NIC को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने हेतु।
11. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
  
(जी0बी0 ओली)  
संयुक्त सचिव।